

मुगलकालीन प्रशासनिक व्यवस्था

- ★ मुगलों की भाषा फारसी थी।
- ★ मुगलकाल की प्रशासनिक व्यवस्था (राजस्व सिद्धांत) शरिअत कानून पर आधारित थी।
- ★ मुगलवंश की शुरुआत बाबर से हुई। किन्तु बाबर अधिक समय तक शासन नहीं किया और जितना समय शासन किया। वह युद्ध में फंसा रहा। अतः बाबर ने प्रशासनिक क्षेत्र में कोई विशेष कार्य नहीं किया। बाबर का कहना था कि राजा के लिए एकांतवास तथा आलस ठीक नहीं है।
- ★ हुमायुं की शुरुआत का शासन अच्छा था। किन्तु शेरशाह ने उसे भारत छोड़ने पर विवश कर दिया और जब हुमायुं लौटा तो कुछ ही दिन बाद उसकी मृत्यु हो गयी। अतः उसने भी प्रशासनिक क्षेत्र में कोई विशेष कार्य किया।
- ★ हुमायुं ने राजा को ईश्वर का प्रतिनिधि कहा।
- ★ मुगल प्रशासनिक व्यवस्था की वास्तविक शुरुआत अकबर के समय में हुआ। अकबर ने लगभग सभी क्षेत्र सुधार दिया।
- ★ अकबर ने तिर्थयात्रा तथा जजिया कर समाप्त कर दिया।
- ★ भूमि सुधार के क्षेत्र में अकबर ने टोडरमल सहयोग से आइने दहशाला पद्धति लाया। जो दस वर्षों के लिए थी।
- ★ अकबर ने सैन्य क्षेत्र में एक नई व्यवस्था मनसबदारी व्यवस्था लाया।
- ★ अकबर के धर्म निरपेक्षता की नीति अपनाते हुए शासन किया।
- ★ अकबर ने अपनी राजधानी फतेहपुर सिकरी बनायी।
- ★ अकबर ने राजपूत नीति के तहत हिन्दुओं की मनसब देना प्रारम्भ किया।
- ★ जहांगीर ने प्रशासनिक क्षेत्र में सुधार के लिए न्याय पर अत्यधिक बल दिया और न्याय की एक जंजीर टंगवाई। जहांगीर ने सैन्य क्षेत्र में सिंह आश्फा तथा दो आश्फा और जिनके पास दो अधिक घोड़े थे उन्हें सिंह आश्फा कहा गया।
- ★ औरंगजेब ने पुनः जजियाकर प्रारम्भ किया। इसने संगीत पर प्रतिबन्ध लगा दिया।
- ★ औरंगजेब ने मोहत्सिव नामक एक अधिकारी की नियुक्ति किया। जो यह देखता था कि लोग शरीयत (इस्लाम) के अनुसार जी रहे हैं या नहीं।
- ★ उत्तर मुगल काल में मो० शाह ने जजिया कर को पूर्णतः समाप्त कर दिया।
- ★ शाह आलम-II ने इलाहबाद की संधि के तहत बिहार, बंगाल तथा उड़ीसा की दिवानी अंग्रेजों को दे दी।

मुगल प्रशासन एक केन्द्रीय प्रशासन था, इसमें नौकरशाही द्वारा पूर्ण नियंत्रण था।

- | | |
|------------------|----------------------------------|
| 1. वकील-ए-मुतलक | - राजा के बाद सबसे महत्वपूर्ण पद |
| 2. वजीर | - वित्त-विभाग |
| 3. मीर-बख्शी | - सेना-विभाग |
| 4. मीर-आतिश | - तोप-खाना |
| 5. काजी-उल-कुजाल | - न्याय-विभाग |
| 6. सद्र-उस-सूदूर | - धार्मिक मामला |

7. मुहत्तसिब - शरीयत तथा नैतिक मूल्यों की जांच

- ★ अकबर के समय प्रान्त (सूबा) की संख्या 15 थी जबकि औरंगजेब के समय सूबा की संख्या 20 थी। सूबे का प्रशासन सूबेदार के पास था।

मुगलकालीन स्थापत्य कला

- ★ भवन, मकबरा तथा बाग बगिचे के निर्माण की विभिन्न शैलियों को स्थपत्य या वस्तुकला कहते हैं।
- ★ मुगल वस्तुकला का प्रारम्भ बाबर के समय से ही चालू हो गया। बाबर को चार बाग शैली का जनक माना जाता है। चारबाग शैली में बाबर ने आगरा में अराम बाग का निर्माण करवाया।
- ★ बाबर ने बाग बगिचे के सिंचाई के लिए नहरों का प्रयोग करता था। बाबर ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण करवाया था।
- ★ हुमायुं ने दिल्ली में दिन पनाह नामक लाइब्रेरी का निर्माण करवाया, जबकि हुमायुं की बहन गुलबदन बेगम ने दिल्ली में हुमायुं का मकबरा बनवाया। इसे लाल-ताजमहल के नाम से जाना जाता है।
- ★ अकबर ने फतेहपुर सिकरी में बुलन्द दरवाजा का निर्माण करवाया।
- ★ जहांगीर के समय नूरजहां ने एतमातुद्दौला का मकबरा बनवाया तथा काश्मीर में शालीमार बाग का निर्माण करवाया। (जहांगीर के काल को स्थापत्य का विश्राम काल कहते हैं।)

Remark : सफेद वेदाग संगमरमर तथा इटली की पिण्ड्रा-डोरा शैली का प्रथम प्रयोग इसी मकबरा निर्माण में हुआ था।

Remark : मुगलकालीन स्थापत्य कला में गोलगुम्बद से मुक्त भवनों का निर्माण हुआ।

- ★ शाहजहां स्थापत्य कला में अधिक रुचि लेता था। इसके काल को स्थापत्य कला का स्वर्ण काल कहते हैं। स्थापत्य के कारण ही शाहजहां के काल को मुगल का स्वर्ण युग कहते हैं। इसने दिल्ली में जमा मस्जिद तथा लाल किला का निर्माण करवाया।
- ★ आगरा में ताजमहल का निर्माण कराया तथा लाहौर में शिश्महल का निर्माण कराया। ताजमहल भारत का सबसे बड़ा मकबरा है।
- ★ पिण्ड्रा-डोरी शैली का प्रयोग ताजमहल में भी हुआ है।

Remark : आगरा के किला के अंदर स्थित मोती मस्जिद का निर्माण शाहजहां ने करवाया, जबकि दिल्ली में लाल किला में स्थित मोति मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने करवाया।

- ★ औरंगजेब ने औरंगाबाद में बीबी का मकबरा बनवाया। जिसे ताजमहल का घटिया नकल कहते हैं। अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह (जफर-II) ने दिल्ली में अपना मकबरा बनवाया था किन्तु अंग्रेज ने उसे पकड़कर उसे निष्कासित कर दिया। इस प्रकार उसका मकबरा खाली रह गया।

मुगलकालिन चित्रकला

- ★ मुगल चित्रकारी पर फारसी शैली की अधिकता थी।
- ★ मुगलकालिन चित्रकला बाबर के समय प्रारम्भ थी। बाबर के दरबारों में वेहजाद नामक चित्रकार से जिनहें पूरब का राफेल

कहा जाता है।

Remark : राफेल एक यूरोपिय चित्रकार था। जिसने पुनर्जागरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभया।

- ★ हूमायुं के दरबार में मीर सय्यद अली तथा अब्दुल सानद नामक चित्रकार थे।
- ★ अकबर के बगल में केशव लाल, लगन बसावन तथा दशकत नामक प्रसिद्ध चित्रकार थे। दशवन्त इन सब में सबसे प्रमुख चित्रकार था। जिसकी सबसे प्रमुख चित्रकारी खानदान-ए-तैमुरिया है।
- ★ जहांगीर के काल को चित्रकला का स्वर्ण काल कहा जाता था। जहांगीर कहता था कि यदि किसी चित्र की कई लोगों ने मिलकर बनाया हो तो मैं बड़े आसानी से यह बता सकता हूँ कि उस चित्र का कौन सा भाग किसने बनाया है। इसके दरबार में विसबन दास मोहर तथा मेन्सर नामक चित्रकार थे। जहांगीर के काल में फारसी शैली के स्थान पर भारतीय शैली का प्रभाव था। जहांगीर के काल में मुगल चित्रकला की वास्तविक आत्मा लुप्त हो गई।
- ★ शाहजहां के काल में स्थापत्य कला का अधिक विकास हुआ।
- ★ शाहजहां के समय चित्रकला का विकास कम हुआ।
- ★ औरंगजेब ने चित्रकला पर यह कहकर प्रतिबन्ध लगा दिया कि चित्रकला इस्लाम के बिलाफह है। साथ ही उसने सिकन्दर में स्थित अकबर के मकबरा से चित्रकला को मिटवा दिया।

मुगलकालीन प्रमुख पुस्तक

- | | | | |
|----|------------------|---|--|
| 1. | बुजुक-ए-बाबरी | - | बाबर |
| 2. | बाबर नामा | - | अब्दुल रहीम (खान-ए-खाना) |
| 3. | हुमायुनामा | - | गुलबदन बेगम (Sister) |
| 4. | अकबरनामा | - | अबुल फजल |
| 5. | तुजुक-ए-जहांगीरी | - | जहांगीर + मोतमिद खान |
| 6. | शाहजहांनामा | - | इनायत खान |
| 7. | तबकात-ए-अकबर | - | निजामुद्दीन अहमद (इस पुस्तक में दिल्ली सल्तनत से लेकर मुगल काल तक का इतिहास है।) |

मुगलकालीन फारसी में अनुवादित पुस्तक

- | | | | |
|----|------------|---|-------------------------|
| 1. | महाभारत | - | बदायूनी, अबुल फजल, फैजी |
| 2. | रामायण | - | बदायूनी |
| 3. | अथर्ववेद | - | बदायूनी + हाजी इब्राहिम |
| 4. | लीलावती | - | फैजी |
| 5. | नल-दमयंती | - | फैजी |
| 6. | राजतरंगिणी | - | शाहमुहम्मद सहबादी |
| 7. | उपनिषद् | - | दारा-शिकोह |
| 8. | गीता | - | दारा शिकोह |

मुगलकाल में आए विदेशी यात्री

1. **राल्फ फिन्च** - यह एक अंग्रेज था जो अकबर के समय आया था। इसी ने अकबर को गुजरात अभियान के समय समुन्द्र दर्शन करवाया।
2. **कैप्टन हाकिंस** - यह भी एक अंग्रेज था जो 16080 ई० में जहांगीर के दरबार में आया। इसका उद्देश्य जहांगीर से व्यापारिक छूट प्राप्त करना था। किन्तु जहांगीर ने इसे कोई भी छूट नहीं दिया। किन्तु इसके योग्यता से खुश होकर इसे खान की उपाधि दिया। अतः इसे इंग्लिश खान कहते हैं।
3. **टामस रो** - यह भी एक अंग्रेज था। 1615 ई० में जहांगीर के समय आया। सर्वप्रथम इसको जहांगीर ने कुरु व्यापारिक छूट दिया।
4. **पियेत्रा देलावेला** - यह इटली का रहने वाला था। ये जहांगीर के समय आया था।
5. **ट्रेबेनियर** - यह फ्रांस का रहने वाला था और शाहजहां के समय आया था। यह पेशे से जौहरी (सोনার) था।
6. **वर्नियर** - यह क अंग्रेज था जो शाहजहां तथा औरंगजेब दोनों के समय आया था। इसने मुगलकाल में उत्तराधिकार के युद्ध को देखा था।
7. **मनूची** - यह एक अंग्रेज था जो औरंगजेब के समय आया था यह पेशे से एक तोपची (तोप चलाने वाला) औरंगजेब ने इसे सेना में रख लिया।

मुगल शासकों के असली नाम

- | | | |
|-----------------------|---|-----------------------------|
| 1. बाबर | - | जहीरूद्दीन मोहम्मद बाबर |
| 2. हुमायूँ | - | नसीरूद्दीन मोहम्मद हुमायूँ |
| 3. अकबर | - | जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर |
| 4. जहांगीर | - | नुर-उ-दीन मोहम्मद जहांगीर |
| 5. शाहजहां | - | सिहाबुद्दीन मोहम्मद शाहजहां |
| 6. औरंगजेब | - | मुहिउद्दीन मोहम्मद औरंगजेब |
| 7. बहादुरशाह | - | मोअज्जम |
| 8. मोहम्मद शाह | - | रौशन अख्तर |

मुगल सलतनत 1526 से 1857 तक रही

★ इसे दो भागों में बाँटते हैं-

(i). उन्नति का काल (1526-1707)

(ii). अवनति का काल (1707-1857)